

सिंहशावकः

गुरुकुल कांगड़ी समविश्वविद्यालय के 123वें वार्षिकोत्सव पर संस्कृत नाटिका

"सिंहशावकः" का सफल मंचन

गुरुकुल कांगड़ी समविश्वविद्यालय हरिद्वार के 123वें वार्षिकोत्सव के अवसर पर दिनांक 11 अप्रैल 2026 को आयोजित भव्य सांस्कृतिक कार्यक्रमों की श्रृंखला में संस्कृत विभाग द्वारा "सिंहशावकः" नामक संस्कृत नाटिका का अत्यंत प्रभावशाली मंचन किया गया। यह नाटिका चर्चित फिल्म "छावा" का संस्कृत रूपांतरण है।

इस नाटिका का संस्कृत रूपांतरण संस्कृत विभाग की सहायक आचार्या डॉ. सुनीति आर्या द्वारा किया गया। उन्होंने ही नाटिका का निर्देशन एवं सफल मंचन भी कराया। नाटिका के माध्यम से संस्कृत भाषा की अभिव्यक्ति, भारतीय संस्कृति, वीरता तथा राष्ट्रभक्ति का अत्यंत प्रभावशाली प्रदर्शन किया गया, जिसे उपस्थित दर्शकों ने अत्यधिक सराहा।

इस गरिमामय कार्यक्रम में उत्तराखण्ड सरकार के कैबिनेट मंत्री श्री मदन कौशिक, समविश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. प्रतिभा लूथरा मेहता, कुलसचिव प्रो. निगमालंकार, विभिन्न विभागों के प्राध्यापकगण, सेवानिवृत्त प्राध्यापक, विशिष्ट अतिथि एवं अन्य गणमान्यजन उपस्थित रहे। कार्यक्रम में लगभग 700-800 दर्शकों की उपस्थिति रही।

नाटिका में संस्कृत विभाग की छात्राओं ने अपने उत्कृष्ट अभिनय से सभी का मन मोह लिया। प्रतिभागी छात्राओं के नाम इस प्रकार हैं—

प्राची	अंकिता	वन्दना	आराध्या
आर्येशा	देवांशी	ईशा सक्सेना	पूर्णमा
आँचल	सोनिका	प्रिया	शिवानी।

सभी छात्राओं ने अपने-अपने पात्रों का प्रभावशाली निर्वहन करते हुए संस्कृत भाषा की मधुरता तथा अभिनय-कौशल का उत्कृष्ट परिचय दिया। दर्शकों ने पूरे कार्यक्रम के दौरान उत्साहपूर्वक नाटिका का आनंद लिया तथा कलाकारों का तालियों की गड़गड़ाहट से अभिनंदन किया।

कार्यक्रम के अंत में नाटिका में भाग लेने वाली सभी छात्राओं को उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए सम्मानित करते हुए पुरस्कार प्रदान किए गए। इस सफल प्रस्तुति ने यह सिद्ध किया कि संस्कृत भाषा आधुनिक विषयों एवं ऐतिहासिक कथानकों की प्रभावशाली अभिव्यक्ति का सशक्त माध्यम है। "सिंहशावकः" का मंचन वार्षिकोत्सव का प्रमुख आकर्षण रहा तथा उपस्थित सभी दर्शकों के लिए अविस्मरणीय अनुभव सिद्ध हुआ।



